CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: VII

SUBJECT: SANSKRIT

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जून **15** **कालांश 4**	कारक	1) लेखन कौशल का विकास **2)** अभिव्यक्ति का विकास	1)कारको के द्वारा वाक्य रचना करना सिखाना।	**पी पी टी**	1) लेखन कौशल का विकास हुआ। **2)** अभिव्यक्ति का विकास **हुआ।**	**अभ्यास कार्य**
जुलाई 24 **कालांश 6**	1) सुभाषितानि	1)संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास कराना। 2)श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना। 3)संस्कृत विषय में रुचि जागृत करना।	1) सज्जनों के साथ संगति करने की सीख देना। 2)जल,अन्न, मधुर वचन, क्षमा व सत्य के महत्त्व से परिचित कराना। 3)श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित	गतिविधि 1 श्लोकों का सस्वर गायन ‘ श्लोकानुवाद एवं व्याख्या गतिविधि 2 निम्नलिखित क्रियापदों के धातु लिखिए–कर्तव्यः , पश्य , भवेत् , स्थितः गतिविधि 3 निम्नलिखित ‘ शब्दों को लिंगानुसार विभक्त कीजिए–रत्नानि, वसुन्धरा, सत्येन, सुखी, अन्नम्, वह्नि,	1) संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास हुआ। 2) श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम हुए। 3) संस्कृत विषय में रुचि जागृत हुई। 4) क्रियाओं के मूल धातु से परिचित हुए। 5) विभिन्न शब्दों के लिंग	श्लोकों से मिलने वाली सीख के द्वारा

		4)क्रियाओं के मूल धातु से परिचित कराना। 6)विभिन्न शब्दों के लिंग पहचानकर उनका वर्गीकरण करने में सक्षम बनाना।	करना।	रविः, पृथ्वी, संगतिम् गतिविधि 4 श्लोकों से मिलने वाली सीख को अपने शब्दों में लिखिए।	पहचानकर उनका वर्गीकरण करने में सक्षम हुए। 6)विश्लेषण कौशल का विकास हुआ। 7)सज्जनों के साथ संगति करने की सीख से परिचित हुए। 8)जल,अन्न, मधुर वचन, क्षमा व सत्य के महत्त्व से परिचित हुए। 9) श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना।	
	2) दुर्बुद्धिः विनश्यति **व्याकरण** – किम् (पुलिंग में)	**1** वाचन कौशल का विकास करना। **2** सरल संस्कृत प्रश्नों के उत्तर स्वविवेक से लिखने की क्षमता का विकास करना । **3** लंग लकार का अभ्यास कराना। 4 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने	**1** पंचतंत्र की जानकारी देकर आज उसकी प्रासंगिकता बताना। 2 मित्रों की सही सलाह को मानना चाहिए।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन 2 पाठ का अनुवाद गतिविधि– 3 प्रश्न 1 कूर्मस्य नाम किम् आसीत् ? 2 सरस्तीरे के आगच्छन् ? 3 कूर्म केन मार्गेण अन्यत्र गन्तुम् इच्छति ? 4 लम्बमानं कूर्मं दृष्ट्वा के अधावन् ? गतिविधि–4 चित्रकथा निर्माण	**1** वाचन कौशल का विकास हुआ। **2** सरल संस्कृत प्रश्नों के उत्तर स्वविवेक से लिखने की क्षमता का विकास हुआ । **3** लंग लकार का अभ्यास हुआ। 4 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ। **5** संस्कृत शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम हुए। **6** पंचतंत्र की प्रासंगिकता को समझा।	**प्रश्नोत्तर** के द्वारा

		की क्षमता का विकास करना। **5** संस्कृत शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम बनाना।			7 मित्रता के महत्त्व को जाना।	
अगस्त 21 **कालांश 5**	1) स्वावलंबनम्	1 तद् ,एतद शब्दों से परिचित कराना । 2 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करने की क्षमता का विकास करना। 3 भूतकाल का अभ्यास कराना। 4 संख्यावाचक शब्दों से परिचय कराना। 5 स्वविवेक से प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास करना। 6 कठिन शब्दों के अर्थ जानना। 7 ऋतुओं और महीनों के नामों परिचित कराना।	**1** स्वावलंबन के गुण को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना। **2** आत्मनिर्भरता के लाभों से अवगत कराना। 3 समय का महत्त्व जानना। 4 दिनचर्या निर्धारित करना।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन 2 पाठ का अनुवाद प्रश्न –1 कस्य भवने सर्वविधनि सुखसाधनानि आसन्? 2 कस्य गृहे कर्मकरः नासीत्? 3 श्रीकण्ठस्य आतिथ्यम् के अकुर्वन्? 4 प्रत्येक चतुर्थवर्षे फरवरी–मासे कति दिनानि भवन्ति? 5 कति ऋतव : भवन्ति? 6 कृष्णमूर्तेः कति कर्मकराः सन्ति? गतिविधि 4 नीचे दिए गए चित्र के सामने संख्यावाचक पद लिखिए 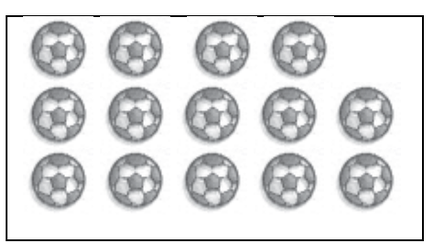 गतिविधि 5 समयानुसार अपनी दिनचर्या बनाइए एवं कक्षा में सुनाइए।	1 तद् ,एतद शब्दों से परिचित हुए । 2 सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ। 3 भूतकाल का अभ्यास हुआ। 4 संख्यावाचक शब्दों से परिचय हुए। 5 स्वविवेक से प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास हुआ। 6 कठिन शब्दों के अर्थ को जाना। 7 ऋतुओं और महीनों के नामों परिचित हुए। **8** स्वावलंबन के गुण को आत्मसात करने के लिए प्रेरित हुए। **9** आत्मनिर्भरता के लाभों से अवगत हुए। 10 समयानुसार कार्य करने का प्रयास करने लगे।	समयानुसार अपनी दिनचर्या बनाइए एवं कक्षा में सुनाइए। के द्वारा

	2)हास्यबालकविसम्मेलनम् **व्याकरण**– लङ लकार	1) अव्यय शब्दों से परिचय करवाना । 2) वाचन व श्रवण में निपुण बनाना 3) संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचय करवाना 4) चित्र वर्णन करना सिखाना ।	1) तार्किक चिंतन के लिए प्रेरित करना । 2)जीवन में हास्य के पुट का समावेश करना ।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन 2 पाठ का अनुवाद 3) दिए गए अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए –अंतः , बहिः ,उपरि ,अधः ,अलम् 4)कुछ संस्कृत हास्य गोलकों का संग्रह कीजिए –	1) अव्यय शब्दों से परिचित हुए । 2)वाचन व श्रवण में निपुण बने । 3)संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचय हुआ । 4) जीवन में हास्य के महत्त्व को जाना।	अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग के द्वारा
सितंबर 21 **कालांश 5**	1) विश्वबंधुत्वं **व्याकरण** – चित्रवर्णन अपठितबोध अनुच्छेद लेखन	1) शुद्ध व स्पष्ट उच्चारण करने का अभ्यास कराना। 2) नवीन शब्दों के अर्थ से परिचित कराना। 3) विलोम से शब्दों परिचित कराना। 4) समानार्थक शब्दों से परिचित कराना। 5) वाक्यों के शुद्धीकरण का अभ्यास कराना। 6) मानचित्र–कार्य	1) विश्वबंधुत्व की आवश्यकता व महत्त्व से परिचित कराना। 2) सभी के साथ समान व्यवहार करने के लिए प्रेरित करना। 3) पाठ की सीख को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना।	गतिविधि (1) मानचित्र–कार्य भारत के पड़ोसी देशों को दर्शाना। गतिविधि (2) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–स्वकीयम् अवरुद्धः , कुटुंबकम् , अन्यस्य	1)शुद्ध व स्पष्ट उच्चारण करने का अभ्यास हुआ। 2)नवीन शब्दों के अर्थ से परिचित हुए। 3)विलोम शब्दों से परिचित हुए। 4)समानार्थक शब्दों से परिचित हुए। 5) वाक्यों के शुद्धीकरण का अभ्यास हुआ। 6)मानचित्र–कार्य का अभ्यास हुआ। 7) विश्वबंधुत्व की आवश्यकता व महत्त्व से परिचित हुए। सभी के साथ समान व्यवहार करने के लिए प्रेरित हुए।	मानचित्र–कार्य के द्वारा

		का अभ्यास कराना।			पाठ की सीख को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित हुए।	
अक्टूबर 17	**पुनरावृत्ति**		I TERM END EXAMINATION			
नवम्बर 23 **कालांश 6**	1) त्रिवर्णः ध्वजः	1)आवाज के उतार–चढ़ाव के साथ वाचन । 2)प्रश्न निर्माण करना सिखाना । 3)रंग के विषय में जानकारी देना । 4)नवीन शब्दों से परिचित कराना ।	1)राष्टोय पतिको के प्रति सम्मान की भावना का विकास करना । 2)राष्ट्रध्वज में निहित संदेश को समझाना।	1)राष्ट्र ध्वज में निर्दिष्ट प्रत्येक रंगों व चक्र का महत्त्व बताना । 2)_ध्वज निर्माण करना । 3)राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों की सूची तैयार करना	1) आवाज के उतार चढ़ाव के साथ वाचन करना सीखा । 2)प्रश्न निर्माण करना सीखा । 3)ध्वज के रंगों के विषय में जानकारी प्राप्त हुई । 4)संस्कृत के कुछ नवीन शब्दों से परिचित हुए । 5)राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों के प्रति सम्मान की भावना का विकास हुआ ।	राष्ट्र ध्वज में निर्दिष्ट प्रत्येक रंगों व चक्र का महत्त्व के द्वारा
	2) विमानयानं रचयाम	**उद्देश्य –** **विशिष्ट उद्देश्य** 1) संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास करना । 2)ध्यानपूर्वक सुनना। 3) अर्थग्रहण करने की क्षमता	**1** संवेदना जाग्रत करना। 2 प्रकृति की सुदंरता का आनंद लेना।	(1) समभाव वाली दूसरी कविता सुनना। गतिविधि– (2) 1 पाठ (पद्य) का वाचन 2 पाठ (पद्य) अनुवाद गतिविधि– (3) **समुचितैः पदैः रिक्तस्थानानि पूरयत–** **विभक्तिः एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्** प्रथमा भानुः भानू ———— द्वितीया .... गुरून् तृतीया . ..... ———— पशुभ्याम्	1)संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ । 2)ध्यानपूर्वक सुनने लगे। 3) अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ । 4) उकारान्त शब्दों को जानने लगे।	समुचितैः पदैः रिक्तस्थानानि पूरयत– के द्वारा

		का विकास करना। 4) उकारान्त शब्दों की जानकारी देना। 5) गति और यति ,लय के साथ गायन ।		चतुर्थी साध्वे .... पंचमी वटोः .... षष्ठी ..... विभ्वोः ..... सप्तमी शिशौ .... सम्बोध्न हे विष्णो! .... गतिविधि– (4) पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तर लिखने हेतु दिए जाएँगे।	5) गति और यति ,लय के साथ गायन करना सीखा। **6)** छात्र संवेदनशील हुए। 7) प्रकृति की सुदंरता को समझा।	
दिसम्बर 22 **कालांश 5**	1) समवायो हि दुर्जयः	1)विषयवस्तु को एकाग्रतापूर्वक सुनने का अभ्यास कराना। 2) सुनकर अर्थग्रहण करने में सक्षम बनाना। 3)कहानी का लघुनाटिका के रूप में प्रस्तुतीकरण करना सिखाना। 4)प्रश्न निर्माण का अभ्यास कराना। 5)स्म के प्रयोग से परिचित	1)मित्र की सहायता करने की सीख देना। 2)समूह के महत्त्व व शक्ति से परिचित कराना।	1) पाठ को पढ़कर/कहानी के रूप में सुनाकर उसपर आधारित प्रश्न दिए जाएँगे। पाठ का वाचन व अनुवाद 2) प्रश्न निर्माण–(लिखित) 1कालेन चटकायाः संततिः जाता। 2चटकायाः नीड़ भुवि अपतत्। 3गजस्य वधेनैव मम दुखम् अपसरेत् 4काष्टकूटः चंचवा गजस्य नयने स्फोटयिष्यति। 3) 'स्म' का प्रयोग कीजिए अवसत्– वसति स्म अत्रोटयत्– अपतत्– अवदत्– अनयत्–	1) विषयवस्तु को एकाग्रतापूर्वक सुनने का अभ्यास हुआ। 2)सुनकर अर्थग्रहण करने में सक्षम बने। 3)कहानी का लघुनाटिका के रूप में प्रस्तुतीकरण करना सीखा। 4)प्रश्न निर्माण का अभ्यास हुआ। 5)स्म के प्रयोग से परिचित हुए। 6)मित्र की सहायता करने की सीख से परिचित हुए। 7)समूह के महत्त्व व शक्ति से परिचित हुए।	प्रश्न निर्माण के द्वारा

		करानाl।		4) कहानी का नाट्य–मंचन 5) कहानी की कौन–कौन सी सीख को आप अपने जीवन में उतारना चाहेंगे?		
	2) अमृतं संस्कृतम् **व्याकरण**–शब्दरूप–अस्मद्	1) आवाज के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन करना सिखाना । 2) इकारांत स्त्रीलिंग शब्द रूप का प्रयोग करना सिखाना । 3) संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों स परिचय करवाना। 4) अन्य क्षेत्रीय भाषाओं से संस्कृत का जननी – पुत्री संबंध बताना ।	1) संस्कृत भाषा के गौरव व महत्त्व से परिचय करवाना । 2) भारतीय साहित्य में व्याप्त विशेषताओं को बताना ।	1) पाठ से " पाँच " इकारांत स्त्रीलिंग शब्दों को छांटकर उनके शब्द रूप लिखिए । 2) भारतीय संस्कृत साहित्य में किन–किन विषयों का वर्णन हुआ है ? 3) अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में प्रयुक्त होने वाले संस्कृत भाषा के तद्भव रूपों को लिखिए –	1) आवाज के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन करना सीखा । 2) इकारांत स्त्रीलिंग शब्द रूप का प्रयोग करना सीखा । 3) संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों स परिचित हुए । 4) अन्य क्षेत्रीय भाषाओं से संस्कृत के जननी – पुत्री संबंध को जाना । 5) संस्कृत भाषा के गौरव व महत्त्व से परिचित हुए । 6) भारतीय साहित्य में व्याप्त विशेषताओं को जाना ।	संस्कृत भाषा के तद्भव रूपों के द्वारा
जनवरी 20 **कालांश 5**	1) अनारिकायाः जिज्ञासा	1) ऋकारांत पुँल्लिंग शब्द रूप से परिचय करवाना । 2) चित्र वर्णन	1) अपने आसपास के वातावरण के प्रति जागृति उत्पन्न करना । 2) अवलोकन क्षमता	1) दिए गए ऋकारांत पुलिंग शब्दों के निर्देशानुसार रुप लिखिए –– पित .....भातृ..... मातृ..... । 2) दिए गए चित्र का उचित शब्द प्रयोग के द्वारा वर्णन कीजिए ।	1) अपने आसपास के वातावरण के प्रति जागृति उत्पन्न हुई । 2) अवलोकन क्षमता का विकास हुआ ।	ऋकारांत पुलिंग शब्दा के रुप के द्वारा

		सिखाना ।	का विकास करना । 3) तार्किक चिंतन कौशल का विकास		3) तार्किक चिंतन कौशल का विकास हुआ । 4) ऋकारांत पलिंग शब्द से परिचत हुए । 5) चित्र वर्णन करना सीखा ।	
	2) श्लोकाः **व्याकरण** – लोट् लकार					
फरवरी 21 **कालांश 5**	1) लालनगीतम् **व्याकरण**– चित्रवर्णन अपठितबोध संवाद लेखन	1) स्वविवेक से संस्कृत वाक्य रचना करना सिखाना। 2) संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास । 3) ध्यानपूर्वक सुनना। 4) अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास। **5)**संस्कृत में पशु–पक्षी के नामों की जानकारी देना।	1) प्रकृति से कार्य समय पर करने की सीख लेना। 2) प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द लेना।	(1) लालनगीतम् का अर्थ समझाना। (2) 1 पाठ (पद्य) का वाचन 2 पाठ (पद्य) का अनुवाद (3) उपर के चित्र को देखकर संस्कृत में वाक्य निर्माण कीजिए। (4) पशु–पक्षियों के नामों की वर्ग पहेली	1 स्वविवेक से संस्कृत वाक्य रचना करना सीखा। 2 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ। 3 ध्यानपूर्वक सुनने लगे। 4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ। **5** संस्कृत में पशु–पक्षी के नामों से परिचित हुए। 6 प्रकृति से कार्य समय पर करने की सीख ली। 7 प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द लेना ।	चित्र को देखकर संस्कृत में वाक्य निर्माण कीजिए। के द्वारा

मार्च 21 **कालांश 5**	**पुनरावृत्ति**			II TERM END EXAMINATION		